

जीवन की ही तरह कहानी के आरंभ का भी कोई महत्व नहीं होता। महत्व केवल अंत का होता है। जीवन के अंत का भी और कहानी के अंत का भी।

- राही मासूम रजा



Kavitha Gowda Looks Pretty In...

| | |
|-------|---------|
| SARAF | |
| सोना | : 6,865 |
| चांदी | : 92.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रूस में लापता हेलीकॉप्टर में सवार 17 लोगों के शव मिले

MASCOW : रूस के सुदूर पूर्व में लापता हेलीकॉप्टर पर सवार 22 लोगों में से 17 के शव बरामद कर लिये गये हैं। रूस के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर के मलबे का भी पता लगा लिया गया है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने कहा कि 17 लोगों के शव पाए गए हैं और बचावकर्मि शेष लोगों की तलाश में जुटे हैं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'आरआईए नोवोस्ती' ने आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो जाने की आशंका है। ऐसा माना जाता है कि खराब मौसम और खराब दृश्यता के कारण हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

केसी त्यागी का जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा

NEW DELHI : जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया और उनकी जगह राजीव रजान प्रसाद को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। जद (यू) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि त्यागी ने निजी कारणों से राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, पार्टी सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार की नीतियों पर अक्सर की जाने वाली त्यागी की टिप्पणियां जद (यू) और उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संबंधों में असहजता का कारण बन रही थीं। त्यागी दिल्ली में रहते हैं और अपने अनुभव तथा अभिव्यक्ति के कारण राष्ट्रीय मीडिया में विशेष पहचान रखते हैं।

गुजरात में बाढ़ से नुकसान का आकलन करने को बनी कमेटी

NEW DELHI : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुजरात में बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी टीम गठित की है। टीम शीघ्र ही गुजरात के बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करेगी, जहां 25 से 30 अगस्त के बीच भारी से बहुत भारी वर्षा हुई थी। 26 और 27 अगस्त को राज्य भर में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। यह कमेटी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के कार्यकारी निदेशक के नेतृत्व में काम करेगी।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 39 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

NEW DELHI : सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कर्पणियों (ओएमपी) ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 39 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस की कीमत 39 रुपये बढ़कर अब 1691.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गयी है, जो पहले 1652.50 रुपये में मिल रहा था।

बातचीत दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में अपने शानदार प्रदर्शन पर बोले बडोनी

कभी सोचा नहीं, 19 छवकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाऊंगा

NEW DELHI (BHASHA) : उत्तरी दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ रिकॉर्ड 19 छक्के लगाने वाले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के कप्तान आयुष बडोनी का मानना है कि दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में अपनी शानदार टाइमिंग के दम पर वह 55 गेंद में 165 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने में सफल रहे। दायें हाथ के 24 साल के इस खिलाड़ी की ताबड़तोड़ पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने शनिवार को खेले गे मैच को 112 रन से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटया। बडोनी ने इस दौरान सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (120)



मैच के दौरान शॉट लगाते आयुष बडोनी

• पीटीआई

के साथ दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड बनाया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो

टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक

समान 18 छक्के लगाये थे। बडोनी से पीटीआई-वीडियो से कहा, 'मैं बस गेंद को अच्छी तरह से हिट करने पर ध्यान दे रहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक पारी में 19 छक्के लगाऊंगा। मैं सिर्फ गेंद की टाइमिंग पर ध्यान देता हूं और गेंद को जोर से मारने की कोशिश नहीं करता।' इस पारी के बाद आईपीएल की आगामी मेगा नीलामी में बडोनी के लिए कई फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगी। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'मैं अभी (आईपीएल) मेगा नीलामी के बारे में नहीं सोच रहा हूं। एक कप्तान के तौर पर मेरा ध्यान फिलहाल डीपीएल जीतने पर है।' उन्होंने कहा, 'आईपीएल में

खेलने से यहां (डीपीएल) एक बल्लेबाज के रूप में मेरे लिए काम बहुत आसान हो गया है। हम वहां विश्व स्तरीय गेंदबाजों का सामना करते हैं, और फिर यहां आकर खेलना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है।' लखनऊ सुपरजायंट्स के सहायक कोच जॉटी रोड्स ने बडोनी की तुलना दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आक्रामक सलामी बल्लेबाज हर्शल गिम्स से की है। बडोनी ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'जॉटी और मेरे बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं। मैं इस तरह से तारीफ किये जाने पर उन्हें बचसवाद करना चाहता हूं और नया ध्यान कहना चाहता हूं कि जल्द ही मिलेंगे जॉटी'।

मालूम हो कि अवर्ति प्रधामंत्री के साथ फोन पर बात नहीं कर सकी थीं क्योंकि वह अन्य संधर्षा में हिरसा ले रही थीं। मोदी से बातचीत में मनीष नरवाल ने कहा, 'सर, यहां मौसम काफी अच्छा है और भारतीय निशानेबाज काफी अच्छी मेहनत करके आए हैं'।

MUMBAI (BHASHA) : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के विरोध में दक्षिण मुंबई स्थित हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक रविवार को 'महा विकास आघाडी' (एमवीए) के मार्च का नेतृत्व किया। एमवीए नेताओं ने प्रतिमा ढहने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की आलोचना की। गठबंधन की घटक शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस मामले में



प्रदर्शन करते शरद पवार व उद्धव ठाकरे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मांगी गई माफी में 'अहंकार की बू' है, जबकि राकांपा (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने इस घटना को भ्रष्टाचार का उदाहरण बताया। मुंबई से करीब 480 किलोमीटर दूर मालवण तहसील के राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा योद्धा की प्रतिमा 26 अगस्त को ढह गई थी। इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार दिसंबर 2023 को किया था।

अदालतें 'स्थगन की संस्कृति' बदलने का प्रयास करें: राष्ट्रपति

जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में बोलीं द्रौपदी मुर्मू



कार्यक्रम को संबोधित करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

• पीटीआई

NEW DELHI (BHASHA) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में 'स्थगन की संस्कृति' को बदलने के प्रयास किए जाने की जरूरत है। जिला न्यायपालिका के दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों का होना 'हम सभी' के लिए एक बड़ी चुनौती है। राष्ट्रपति ने कहा, 'अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने की जरूरत है।' मुर्मू ने कहा कि न्याय की रक्षा करना देश के सभी

न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अदालती माहौल में आम लोगों का तनाव का स्तर बढ़ जाता है। उन्होंने इस विषय पर अध्ययन का भी सुझाव दिया। उन्होंने महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में वृद्धि पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत मंडप में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उच्चतम न्यायालय का ध्वज और प्रतीक चिह्न भी जारी किया।

सीजेआई ने कहा-लंबित मामलों को करेंगे कम

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को भारत मंडप में आयोजित जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी। लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्ट्रीय

बदलनी होगी तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति: कानून मंत्री

वही, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जन्मी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए गर्व का विषय है। आज, न्यायपालिका में विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी महान लोगों का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने आगे कहा, एक अच्छी न्याय प्रणाली का होना जरूरी है, ताकि नागरिक अपनी पूरी क्षमता से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा, मुझे भरपूर है कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को अपनाने से न्यायिक बिरादरी को मदद मिलेगी और नागरिकों के लिए न्याय की प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति को बदलने का संकल्प लें।

लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों

3 माह बाद पटरियों पर दौड़ेगी वंदेभारत स्लीपर ट्रेन : रेल मंत्री

अत्याधुनिक सुविधाओं से होगी लैस, रफ्तार 160 किमी प्रतिघंटा

AGENCY BENGALURU :

भारतीय रेल द्वारा बहुत जल्द वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाने वाला है। वंदेभारत स्लीपर ट्रेन का निर्माण भी स्वदेशी तकनीक से किया जा रहा है। इसका निरीक्षण करने रविवार को बंगलुरु आए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तीन माह बाद वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी। इसमें पैसेंजर सेप्टी के साथ-साथ लोको पायलट और अटेंडेंट की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। लोको कैब को बेहतर बनाया गया है, साथ ही यह ट्रेन टक्कर रोधी कवच प्रणाली से लैस है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का डिजाइन और इसका इंटीरियर काफी आकर्षक और इसमें विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस ट्रेन में सुपरसोनी चार्जिंग प्रावधान के साथ एकीकृत रीडिंग लाइट, सार्वजनिक घोषणा और विजुअल इन्फॉर्मेशन प्रणाली, इनसाइड डिस्प्ले पैनल और सिन्योरिटी कैमेरे व मॉड्यूलर



कुछ ऐसे दिखेंगे ट्रेन के डिब्बे

• फोटो इंटरनेट मीडिया

पैट्री की सुविधा है। इसके साथ ही दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, फर्स्ट एसी डिब्बे में यात्रियों के लिए गर्म पानी के शॉवर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बंगलुरु में उत्पादन इकाई का दौरा किया। इस दौरान केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्या भी उनके साथ मौजूद रहे। रेल मंत्री ने वंदे भारत स्लीपर के उत्पादन में कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की और उनका

उत्साहवर्धन भी किया। रेल मंत्री ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल जल्द शुरू होने वाला है। ट्रायल के होने के बाद 3 महीने में ट्रेन को देश के विभिन्न रेल मार्गों पर संचालित किया जाएगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को लंबे रेल रूट्स पर संचालित किया जाएगा और इस ट्रेन से भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में क्रांति आने की उम्मीद है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन आराम, सुरक्षा और दक्षता के मामले में नए मानक स्थापित करेंगी।

पीएम ने पैरालंपिक पदक विजेताओं से की बात

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पैरिस पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पैरा खिलाड़ियों से फोन पर बात की और उनके प्रयासों को सराहा। अधिकारियों के अनुसार, पीएम ने इस दौरान मोना अग्रवाल, प्रीति पाल, मनीष नरवाल और रुबीना फ्रांसिस से बात की। पीएम मोदी ने इस दौरान प्रत्येक पदक विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने अवलोकित किया कि मोदी ने संधर्षा के लिए शुभकामनाएं दी। मालूम हो कि अवर्ति प्रधामंत्री के साथ फोन पर बात नहीं कर सकी थीं क्योंकि वह अन्य संधर्षा में हिरसा ले रही थीं। मोदी से बातचीत में मनीष नरवाल ने कहा, 'सर, यहां मौसम काफी अच्छा है और भारतीय निशानेबाज काफी अच्छी मेहनत करके आए हैं'।

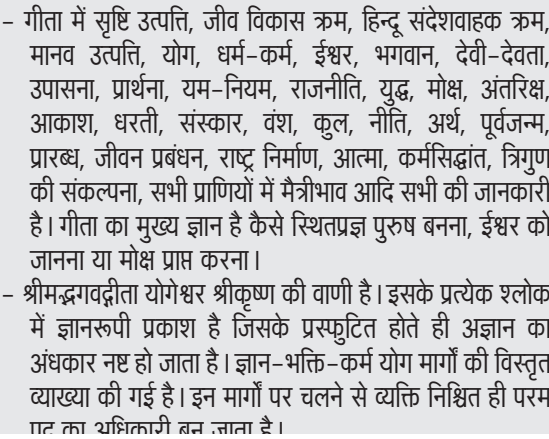
महाराष्ट्र में शिवाजी की प्रतिमा ढहने पर चढ़ा सियासी पारा

पवार ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

MUMBAI (BHASHA) : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के विरोध में दक्षिण मुंबई स्थित हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक रविवार को 'महा विकास आघाडी' (एमवीए) के मार्च का नेतृत्व किया। एमवीए नेताओं ने प्रतिमा ढहने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की आलोचना की। गठबंधन की घटक शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस मामले में

ब्रारा होटल के बेसमेंट में बाहर से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार का धंधा करवाया जा रहा था। जानकारों के अनुसार पकड़े गए पांच लोगों में दो पुलिस वाले भी शामिल हैं, जो बिहार से शराब के सामान वेश्यावृत्ति के लिए कोइडाम पहुंचे थे। मौके से अवैध शराब और अपर्पितजनक सामान भी बरामद किए गए। मामले में पुलिस ने संजय कुमार जौली थाना तारगिल नवादा, मुकेश कुमार कोटवाल के पीछे नवादा, सुभद्र कुमार नवीन नरन नवादा, सुमन कुमार और पिंटा कुमार को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के लिए पश्चिम बंगाल सीमा काफी महत्वपूर्ण है, रांची से अठे पश्चिम बंगाल सीमा से शराब और हथियारों की तस्करी होती रही है। नक्सलियों की आवाज जहाँ को लेकर भी यह इलाका पहले काफी संवेदनशील रहा है। सुरक्षा बलों की कड़ी मेहनत के बाद इलाकें में नक्सलियों का खतरा कम हुआ है। ऐसे में झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले सीमा पर अभी से चौकसी शुरू कर दी गई है, ताकि अपराधी, नक्सली या तस्करी किसी तरह की गड़बड़ न कर सकें।



अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने



आवश्यकता है। दानवीर गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। वे ग्रामीण विकास, कृषि, स्वरोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। इस स्थिति का सामना करने के लिए हमारे दानवीर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जल संरक्षण और ज्यादा पानी अवशोषित करने वाले गेहूँ, धान और गन्ना के उत्पादन को छोड़कर या कम करके परंपरागत मोटे और छोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान चला सकते हैं। एक किलो धान के उत्पादन में जहाँ 8000 लीटर , एक किलो गेहूँ उत्पादन में 10,000 लीटर पानी और एक किलो चीनी के उत्पादन में 28,000 लीटर पानी का व्यय होता है , वहीं एक किलो छोटे अनाज कोदो, कैंगनी, कुटकी , साँवा और हरा सावाँ के उत्पादन में मात्र 100 से लेकर 300 तक ही पानी की आवश्यकता पड़ती है । इसीप्रकार, हर तरह के दूरगामी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए भी दानवीर अरबपति पर्यावरणीय संगठनों को समर्थन दे सकते हैं। मैं अपना खुद का उदाहरण देना चाहूँगा। मैं 1966 से लेकर 1975 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लगायी गई इमरजेंसी के पूर्व तक उस समय भारतवर्ष के दो बड़े मीडिया संस्थानों में से एक में विशेष संपादकता था । तनख्वाह थी मात्र 230 रुपए प्रतिमाह। संपादकीय पृष्ठ पर एक लेख लिखने पर प्रति लेख 10 रुपए अलग से मिल जाते थे । लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा और आशीर्वाद से भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिये एक छोटा सा सेवामूलक कार्य शुरू किया और तीन लाख भूतपूर्व सैनिकों

और बेरोजगार युवक - युवतियों को रोजगार दिया । आज उन संस्थाओं का वार्षिक कारोबार लगभग 13,000 करोड़ का है । संतोषप्रद लाभ भी है । लेकिन , मैं अपने लाभांश का लगभग 95% अपने पुत्र्य माता और पिताजी की स्मृति में स्थापित हू अवसर ट्रस्ट हू के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की शिक्षा , चिकित्सा , बिना दहेज विवाह , किसी भी तरह की समाज सेवा करने वाली संस्थाओं की सहायता में खर्च करता हूँ। इससे जो आत्मीय संतुष्टि मिलती है, उसका वर्णन करना संभव नहीं है । धन की गति या तो व्यभिचार के लिये होगी या सद्कायों के लिये ! अरबपतियों को एक ही रास्ता चुनना होगा । नोटों की गड़्ढी पर न तो आज तक कोई जला है , न जलेगा। तब बुद्धिमत्ता पूर्वक सबको यह सूचना चाहिये कि संचित धन का सदुपयोग करना है या दुरुपयोग ? नए-नए करोड़पतियों और अरबपतियों को अनुसंधान और विकास में भी निवेश करना चाहिए। ये दानवीर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नए क्षेत्रों में निवेश कर-के, भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में नेता बनने में मदद कर सकते हैं। वे नए उद्यमों को शुरू करने और भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निवेश कर सकते हैं। इंफोसिस टेक्नोलॉजीज को फाउंडर नंदन नीलेकाणि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत दान देते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान किये। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटीएल बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को करीब 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा

सकता है। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विद्यालयों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएँ बढ़ाई जा सकती हैं। नीलेकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ट पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटिफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने का विचार उन्होंने ही सफलतापूर्वक चलाया था। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भारत में नंदन नीलेकेणी जैसे दानवीरों की संख्या को बढ़ाना होगा। अजीम प्रेमजी और शिव नाडर जैसे अरबपति दानवीर भी देश के युवाओं को सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे भारत के संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके, गरीबी को दूर करने और मानवता की सेवा करने के लिए सहायता भी कर सकते हैं। कभी-कभी मन उदास हो जाता है कि भारत में दानवीरों की काफी कमी हैं। देखिए भारत में अब भी धनी लोग समाज के लिए धन देने से कतराते हैं। उन्हें लगता है कि उनका टेक्स देना ही काफी है। यह सोच बदलनी होगी। फिर भारत में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे लोगों को दान करने के लिए प्रेरित करने में कठिनाई होती है। उन्हें डर लगता है कि उनके दान का गलत उपयोग किया जाएगा। कई मामलों में यह होता भी है। फिर कई लोग दान के बारे में जानकारी नहीं रखते हैं या वे यह नहीं जानते कि वे दान कैसे कर सकते हैं। इस बीच, यह कहना सही नहीं है कि यूरोप और अमेरिका में भारत से ज्यादा दानवीर हैं। दानवीरता किसी भी देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है। हर जगह अच्छे दिल वाले लोग होते हैं जो दूसरों की मदद करने को तैयार रहते हैं। हर देश के अपने-अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी जरूरतें और सीमाएँ होती हैं। दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर। हमारे यहां बहुत से लोग मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों से शिकायत करते रहते हैं कि वे चैरिटी नहीं करते। हालांकि सच यह है कि कई सेलिब्रिटी अपने दानों के बारे में सार्वजनिक नहीं होना चाहते। उनका मानना ​​हो सकता है कि दान करना एक निजी मामला है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत नहीं है। कुछ सेलिब्रिटी किसी विशिष्ट कारण के प्रति सहानुभूति महसूस नहीं करते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी की मदद एक समान नहीं होते हैं। कुछ बहुत दानवीर होते हैं, जबकि कुछ नहीं भी करते हैं। इसलिए, यह मान लेना गलत होगा कि सभी सेलिब्रिटी दान नहीं करते हैं। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

अब नौकरी पर जोर

अगले दो साल के भीतर पुलिस विभाग में दो लाख से ज्यादा भर्तियां होगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में उपचुनाव के लिए आयोजित जनसभा में यह एलान किया। वर्तमान में पुलिस में साठ हजार भर्तियां होने व पचास लाख नौजवानों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा केंद्र व प्रदेश की अन्य योजनाओं के माध्यम से स्वतः रोजगार से जोड़ने की भी बात की। योगी ने कहा अगर किसी ने परीक्षा में सेंध लगाने का दुस्साहस भी किया तो उसे आजीवन कारावास व एक करोड़, सोपये जुमाने का प्रावधान रखा गया है। स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि पिछले कुछ समय से लगातार सरकारी परीक्षाओं के दरम्यान प्रश्नपत्रों के लीक या उत्तरपुस्तिकाओं में हेराफेरी के मामले उभर कर सामने आ रहे हैं। सभा में योगी ने विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पर सीधा कटाक्ष किया कि उनकी टोपी लाल है, मगर कारनामे काले हैं। 2017 से पहले उग्र में अराजकता चरम पर होने व प्रदेश में दंगे होने के भी आरोप उन्होंने लगाए। सालों से बंद पड़ी लाल इमली मिल के पुनरुद्धार की बात कर उन्होंने वही चुनौती जुमला पुनः उछाला, जो हर विधानसभा चुनाव के दौरान यहां प्रयोग किया जाता रहा है। इसमें संदेह नहीं कि प्रदेश में आए दिन होने वाले सांप्रदायिक दंगों में कमी आई है। मगर प्रदेश में होने वाले अपराध, खासकर हत्या, आत्महत्या व महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों में कोई कमी नहीं आ रही है। बेरोजगारी निरंतर बढ़ती ही जा रही है, जिसे विपक्षी दलों द्वारा लोक सभा चुनाव के दौरान बड़ा मुद्दा बनाया गया था। मोदी व योगी सरकार बेरोजगारी को आने वाले विधानसभा चुनाव में मुद्दा नहीं बनने देना चाहते हैं। इसलिए आनन-फानन सरकारी नौकरियों का लोभ दिया जा रहा है। विभिन्न सरकारी योजनाओं व मदद के प्रचार को लेकर भी प्रदेश सरकार मुस्तैद नजर आ रही है। लोक सभा चुनाव में मिले झटकों के बाद इन उपचुनावों को भाजपा के खिसकते जनाधार के तौर पर देखा जा रहा है। इसलिए योगी को अपनी साख पर लगे बड़े से जल्द से जल्द मुक्त होते हुए नजर भी आना होगा।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उमंगे जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उपनम की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है। भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

अभी कुछ दिन पहले एक खबर मीडिया की सुर्खियों में थी कि भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई अब एशिया की 'अरबपतियों की राजधानी' बन गई है। हरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, मुंबई में चीन के राजधानी शहर बीजिंग से भी ज्यादा अरबपति व्यक्ति रहने लगे हैं। भारत में मुंबई के बाद सबसे ज्यादा अरबपति अब दो और महानगरों नई दिल्ली और हैदराबाद में ही रहते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में अरबपतियों की तादाद देश में विकास की रफ्तार के साथ बढ़ती ही रहेगी। अरबपति छोटे शहरों और कस्बों में भी बने। पर भारत को फिलहाल सैकड़ों-हजारों दानवीर भी तो चाहिए। भारत, अपने युवा और विविध जनसंख्या के बावजूद , दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, फिलहाल इसकी समृद्धि असमान रूप से वितरित है। लाखों लोग गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक की पहुँच से वंचित हैं। इस असमानता को कम करने और भारत को एक समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने के लिए अधिक से अधिक दानवीरों की आवश्यकता है। हमें इस तरह के दानवीर चाहिए जो हर साल बड़ी राशि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में खर्च करें। यह संतोष का विषय है कि बिल गेट्स ने अपनी समृद्धि का उपयोग मानवता की सेवा में किया है। उनके द्वारा स्थापित बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सीमित है। बेशक, दानवीर स्वास्थ्य सेवा में निवेश करके, नई तकनीकों और दवाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और क्लिनिकों का निर्माण कर सकते हैं। भारत में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। इस क्षेत्र में बहुत सारे दानवीरों को निवेश करना चाहिए। वि. शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समृद्ध दानवीर शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों का आधुनिकीकरण और नए शिक्षण उपकरणों का विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। यह कोई नहीं कह रहा है कि हमारे यहां दानवीर शिक्षा या हेल्थ सेक्टर में निवेश नहीं करते। पर इन दोनों क्षेत्रों में शत प्रतिशत सरकार के भरोसे भी तो नहीं रहा जा सकता। सरकार की भी अपनी सीमाएँ हैं। इसके साथ ही भारत में गरीबी और असमानता को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर चहुँमुखी सामाजिक विकास की



अतुल मलिकाराम

राजनीति—यह शब्द सुनते ही अक्सर हमारे मन में नकारात्मक विचारों की बाढ़ आ जाती है। भ्रष्टाचार, सत्ता की भूख, और थोखाधड़ी जैसे शब्द हमारे दिमाग में घूमने लगते हैं। समाज में राजनीति और राजनेता दोनों को ही नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है। आज के समय में शायद ही कोई माता-पिता होंगे जो अपने बच्चे को राजनेता बनते देखना चाहते होंगे। राजनीति को लेकर आम जनता के मन में जो गलत धारणाएँ हैं। इसी के कारण आज के युवा राजनीति से दूर भागते हैं, क्योंकि वे किसी प्रपंच या झंझट में नहीं पड़ना चाहते। लेकिन राजनीति का क्षेत्र इतना ही गलत नहीं, तो इसे सही कौन करेगा? क्या युवा, जो इस देश का भविष्य हैं, उन्हें इसमें सुधार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए !! मेरा मानना ​​है कि अगर किसी जगह आपको कहीं कुछ गलत होता दिखाई दे, तो बजाय दूर खड़े होकर उसकी निंदा करने के, उसका समाधान करने के लिए उसकी जड़ तक जाना चाहिए। हमारे युवाओं को भी राजनीति के नकारात्मक दृष्टिकोण को बदलने के लिए कुछ ऐसा ही करना चाहिए। उन्हें राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। युवाओं की राजनीति में भागीदारी, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकती है। जब युवा राजनीति में कदम रखेंगे, तो वे अपने नए विचार, नई सोच, लोक से हटकर काम करने के तरीके, ऊर्जा,



डॉ. दिलीप चौधे

अमेरिकी चुनाव में अब करीब दो महीने बाकी हैं। चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। चुनाव व्यवस्था बहुत अतिम रूप ले चुकी है। चुनाव के पहले सबसे बड़ा घटनाक्रम पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास था। इस घटना ने अमेरिकी जनमानस को झकझोर दिया। हमले के समय ट्रंप ने जैसी दिलेरी दिखाई उससे आप अमेरिकी नागरिक बहुत प्रभावित हुए। लोगों में यह धारणा बनी कि आज की अस्थिर और संघर्ष से जूझ रही दुनिया में ट्रंप जैसे हट्ट संकल्प वाले नेता की जरूरत है। लोग जब ट्रंप और आयुर्जित शस रोग का शिकार जो बाइडन की तुलना करते थे तब पूर्व राष्ट्रपति ही

युवाओं के हाथ में राजनीति के नए युग की शुरुआत.....

लेखक

और उत्साह के साथ समाज की समस्याओं का समाधान नए दृष्टिकोण से खोजे सकेंगे। यही कारण है कि राजनीति में युवाओं की भागीदारी न केवल आवश्यक है, बल्कि अनिवार्य भी है। राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं है, बल्कि यह समाज की भलाई के लिए कार्य करने का सबसे प्रभावी साधन है। अगर हम चाहते हैं कि हमारा देश प्रगति करे, तो हमें राजनीति में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना होगा। राजनीति में आकर युवा समाज की भलाई के लिए काम कर सकते हैं। चाहे वह किसी भी पेशे में हों—इंजीनियर, डॉक्टर, शिक्षक, या उद्यमी—राजनीति में आकर वे समाज में बदलाव ला सकते हैं। राजनीति में कदम रखने का मतलब यह नहीं कि उन्हें अपना पेशा छोड़ना पड़ेगा। बल्कि, वे अपनी विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग बड़े बदलाव लाने के लिए कर सकते हैं। मेरे विचार से युवाओं के राजनीति में आने से पारदर्शिता बढ़ेगी क्योंकि आज का युवा भ्रष्टाचार

और धांधली से दूर भागता है। ये लोग जब राजनीति में आएँगे, तो समानता और न्याय का प्रसार होगा। आज का युवा टेक्नोलॉजी से अच्छी तरह परिचित है, इनके राजनीति में आने से टेक्नोलॉजी का सही उपयोग होगा, और देश को ग्लोबल लेवल पर पहचान मिल सकेगी। आप सोच रहे होंगे कि मैं राजनीति में युवाओं को आगे आने के लिए इतना जोर क्यों दे रहा हूँ, तो मैं आपको दुनिया भर के ऐसे कई उदाहरण दे सकता हूँ, जहाँ युवाओं ने राजनीति में प्रवेश किया और अपने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उदाहरण के लिए, फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री सना मारिन, जिन्होंने 34 साल की उम्र में प्रधानमंत्री का पद संभाला, और यह साबित किया कि युवा नेता भी बड़े निर्णय ले सकते हैं और उन्हें सफलतापूर्वक लागू कर सकते हैं। सना ने सामाजिक कल्याण, पर्यावरण सुरक्षा, और शिक्षा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार किए, जो फिनलैंड के विकास में महत्वपूर्ण साबित हुए। इसी प्रकार, जैसिंडा अर्दरन,

वैश्विकी: चुनाव के बीच अमेरिका में मोदी

उपयुक्त विकल्प के रूप में सामने आते थे। इसी समय दूसरा बड़ा घटनाक्रम यह हुआ कि बाइडन चुनाव मैदान से हटे गए और उन्होंने उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को कमान सौंप दी। कुछ समीक्षकों का तो यह भी मानना ​​था कि वह बाइडन से भी अधिक अलोकप्रिय है, लेकिन अमेरिकी राजनीति में मीडिया और विभिन्न दबाव समूहों की बड़ी भूमिका रहती है। यही नेताओं की छवि बनाने और बिगाड़ने का काम करते हैं। उम्मीदवारी की घोषणा होते ही मुख्धधारा की अमेरिकी मीडिया कमला हैरिस का प्रशस्ति-गान करने लगी। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में वह छा गई। एक महिला और गैर-श्वेत व्यक्ति के राष्ट्रपति बनने की संभावना को अमेरिकी लोकतंत्र और समाज की बड़ी जीत के रूप में प्रचारित किया जाएगा। चुनाव के अंतिम चरणों में एक बार फिर बदलाव आया तथा डेमोक्रेटिक पार्टी की दो बड़ी हस्तियों ने ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की। जाने-माने कैनेडी परिवार के सदस्य रॉबर्ट एस. कैनेडी ने जो स्वयं चुनाव में एक उम्मीदवार थे, ट्रंप के समर्थन में आ गए। जन्मतः-सर्वेक्षकों के अनुसार वह पांच फीसद मतदाताओं की पसंद थे। उनके पाला बदलने से ट्रंप के चुनाव अभियान को मदद मिली है तथा वह कट्टी टक्कर वाले 'स्विंग स्टेट' में निर्णायक सिद्ध हो सकते

हैं। इसी तरह 'डेमोक्रेटिक पार्टी की एक पूर्व नेता तुलसी गवार्डन ने भी ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की है। तुलसी अमेरिकी सेना की नेशनल गार्ड शाखा में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। किसी समय उन्हें 'डेमोक्रेटिक पार्टी में उभरता हुआ सितारा माना जाता था। सैनिक होने के बावजूद वह युद्ध विरोधी हैं तथा हिलेरी क्लिंटन सहित 'डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व पर युद्धोन्मादी होने का आरोप लगाती हैं। यह विंडबना है कि रिपब्लिकन पार्टी को पूर्व में साम्राज्यवादी रुझान वाली युद्ध समर्थक पार्टी माना जाता था। इसके विपरीत 'डेमोक्रेटिक पार्टी की छवि शांतिवादी और उदारवादी पार्टी की थी। लेकिन अब दोनों पार्टियों की भूमिका बदल गई है। अमेरिका ने पर्यावरणवादी और युद्धविरोधी ग्रीन पार्टी का भी एक समर्थक वर्ग है। गाजा में इस्राइल के नरसंहार से मुस्लिम मतदाता नाराज हैं। वे इस बात का आकलन कर रहे हैं कि ट्रंप और कमला हैरिस में से कौन फिलिस्तीन में युद्ध रुकवा सकता है। भारत में संवोधन के लिए अमेरिका जाने वाले हैं। वह 22 सितम्बर को न्यूयार्क में भारतीय समुदाय के लोगों के एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं जिसमें करीब 20 हजार भारतीय के शामिल होने की संभावना है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री किसी खास



प्रत्याशी के पक्ष में कोई राय व्यक्त नहीं करेंगे लेकिन ट्रंप और कमला हैरिस दोनों को यह आशा होगी कि मोदी इशारों-इशारों में उनके पक्ष में पसंद जाहिर करें। वैसे घरेलू राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी का एजेंडा ट्रंप जैसा है। मोदी 'सबसे पहले भारत' की बात करते हैं तो ट्रंप सबसे पहले अमेरिका की वकाफत करते हैं। भारत में यदि एक बार फिर मोदी का नारा लगता है तो अमेरिका में एक बार फिर 'डोनाल्ड ट्रंप की बात होती है। ट्रंप खुलकर इस्लामिक आतंकवाद के खतरे की बात करते हैं जबकि कमला हैरिस ऐसी शब्दावली का प्रयोग नहीं करती। 'डेमोक्रेटिक पार्टी मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दों को तूल देकर मोदी सरकार को निशाना बनाती रही है। भारतीय मूल की कमला हैरिस 'डेमोक्रेटिक पार्टी के भारत विरोधी रवैये में किस हद तक बदलाव करती हैं, इससे तय होगा कि भारतीय मतदाता उन्हें कितना समर्थन देते हैं।

Trust deficit casts a shadow on Ladakh plan

THE August 26 tweet by Union Home Minister Amit Shah, announcing five new districts in Ladakh, had all the panache of grand declarations. It was a bolt from New Delhi’s muddy-blue sky. A surprise — cryptic, populist and authoritative — it lacked other details despite the transformational potential of the proposed administrative exercise. The initial Ladakhi reaction was surprised curiosity, which grew to become suspicion and, within a couple of days, evolved to a mild protest in Sankoo, one of the areas directly impacted by the proposal. This latest development in Ladakh, therefore, needs to be discussed and understood in its historical and political context. First, the historical chronology. Ladakh’s population was barely 2 per cent of the erstwhile state of J&K. In its first phase after the Dogra divestiture began in 1954, citizens of what is now Leh district expressed their desire to secede from the then state of J&K, but without legal or institutional definition of what that meant. The genesis of this demand was the fear for the vulnerability of Ladakh’s linguistic, cultural and religious identities. After the 1962 war, however, this intra-state dissent lay beneath the surface, although, on occasion, overtly expressed in the language of ethno-political polemics. This changed dramatically in 1989, as Ladakh’s opposition to the increasingly demonised Kashmiri became shrill and confessional. In the district of Leh, there was even an anti-Ladakhi Muslim phase, bordering on Islamophobia, that lingered for some time. The 1979 division of Ladakh into two districts, Leh and Kargil, did not help in stemming this trend. These two watershed events served to intensify an older, more complex rivalry between Kargil and Leh, but this time with communal overtones. Leh and Kargil, predictably, drifted further apart economically, socially and politically. The third phase of this drift between Leh and Kargil came with the 2014 Lok Sabha elections, which inducted a Hindu-majoritarian BJP government at the Centre. During the elections, the BJP promised Ladakh Union Territory (UT) status, a specific demand that was first cogently articulated in 2002 and pursued as a concrete agenda since. Thupstan Chhewang, one of Ladakh’s seniormost activists and respected politicians, was elected on the BJP ticket as Ladakh’s sole Member of Parliament. However, either because of a priori intent or later neglect, the BJP’s promised UT status remained undelivered. Procrastination planted the seeds of pessimism. The latter part of this same phase saw Ladakhis assertively research the UT model and other governance structures in the eastern Himalaya and, with a growing perception that the BJP had let them down. This sentiment gathered steam in 2018 when Chhewang resigned as Ladakh’s MP and from his primary membership in the BJP. Regardless, the BJP remained popular in Ladakh where it once again won the 2019 parliamentary seat. Moreover, in 2020, the party swept the Hill Development Council elections. Despite these victories, even in 2019, an empowered UT with meaningful governing powers remained undelivered, spawning murmurs and protests in Ladakh. The Home Minister’s recent virtual edict on X (formerly Twitter) and a bulked version of it with no real additional information from the PIB (Press Information Bureau) heralds the fourth phase in Ladakh’s modern politics. This structure suggests seven districts for Ladakh, including the extant ones of Leh and Kargil. The proposed five new districts are Zangskar, Drass, Sham, Nubra and Changthang. But initial inquiries suggest that the decision was made without consulting the leadership of Leh’s Apex Body or Kargil’s KDA (Kargil Democratic Alliance) bloc, even as both have been in prickly negotiations with New Delhi for over a year now. However, Ladakhis have learnt that ostensibly favourable announcements can be deceptive, as illustrated by the 2023-24 anti-BJP protests and that party’s dramatic loss in the 2024 Lok Sabha elections. Indeed, there have already been pushbacks.

The India-Pakistan wind’s changing

THE GREAT GAME: Imagine the boost to his popularity if Prime Minister Modi goes to Islamabad

HAS the time come for Prime Minister Modi to drop his inhibitions and say, “Yes, I Will”, to Pakistan? For the uninitiated, much has happened in the last 48 hours. In Punjab, as the Aam Aadmi Party consolidates itself in the face of a shrinking Shiromani Akali Dal — whose MLAs, significantly, are not joining their former partners, the BJP — Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, whose family hails from Amritsar, has written to Modi, inviting him to attend a meeting of the Shanghai Cooperation Organisation (SCO) in Islamabad in October. The Ministry of External Affairs has confirmed that it has received such an invite, but not what it intends to do about it. It is also true that the Pakistani establishment may have put out this news in the hope that it builds some public pressure inside India — bleeding-heart liberals, who for their livelihood depend on reaching out and touching someone, as well as the candle-lighting brigade at Attari-Wagah can always be depended upon to push the envelope in favour of talks. Equally true is the boring predictability of the naysayers. Modi cannot, must not, should not go to Islamabad because Pakistan is the enemy and cannot be trusted. In case you belong to this ilk, then, you should quickly pack your bags and take the next bus to Gurdaspur, so that you have a chance to reaffirm your animosity. Here, where the drones fall within spitting distance of the Zero Line, that is a few km inside of the India-Pakistan border, you know that the purest-grade white heroin load — in local parlance, chitta — that the hexacopters carry, has been packed and placed on the orders of the Pakistani establishment. There are many ways to carry out a ‘proxy war’, of course. Another way is to infiltrate trained terrorists into the Jammu region. Military analysts believe that the ambushes of Indian soldiers and paramilitary in recent months — as many as 18 soldiers have been killed so far this summer — is a well-considered strategy by the Pakistani state to shift the focus away from the Kashmir valley. So, what should PM Modi do? Should he go to Pakistan or not?



Remember that 10 long years ago, Modi had invited Nawaz Sharif, then Prime Minister of Pakistan, to his swearing-in ceremony in Delhi and Sharif had turned up — against the advice of his own powerful military establishment. When Sharif returned home from Delhi, it was said that he and his job were in trouble, because he had chosen to shake the hand of the man who was the Chief Minister of Gujarat when the 2002 riots had taken place, in which more than a thousand Muslims had been killed. The way Sharif explained it — Modi was the PM of South Asia’s most powerful country, Pakistan was India’s neighbour and both had been through the rough-and-tumble of history — it was his duty to offer the hand of peace. The peace pipe didn’t last long. On January 2, 2016, Pakistani terrorists attacked the Pathankot airbase. Soon, Modi had announced that he was breaking off all conversation with Pakistan until cross-border terrorism came to an end. The deep freeze was turned on. But the truth is that eight years on, cross-border terrorism has not come to an end. The Jammu terror incidents from this summer indicate that someone continues to orchestrate the whole show from behind the scenes. “Uski tooti mere haath main hai” (I hold the lever in my hands) — that is how in the summer of 1999, at the height of the Kargil War, a senior Pakistan General described Pakistan’s control of cross-border terrorism to then

army chief Gen Pervez Musharraf. The conversations were recorded by Indian intelligence, transcribed and shown to then Pakistan Foreign Minister Sartaj Aziz when he stopped over in Delhi en route to Beijing. Aziz had been trying to defend the indefensible, that is, the Pakistani invasion at Kargil, when he was confronted with the tapes. He had nothing more to say after that. Modi has been confronted with the same dilemma since 2016. He fully understands that the nature of the Pakistani state hasn’t changed and what’s more, is unlikely to change in the near future. If he had any doubts, the carefully instigated overthrow of Sheikh Hasina in Bangladesh next door — no doubt, she is fully responsible for allowing the situation to reach this crescendo — should give him a clearer picture of India’s dangerous neighbourhood. So, should he continue with upping the ante — ‘surgical strikes’ in 2016, followed by missile strikes in Balakote in 2019 — even though it’s clear that Pakistan will find new ways to hurt India every day? Or should he take a leaf out of Atal Bihari Vajpayee’s book and try to make peace with the nation that the latter went to war with?

It’s clear that the wind is shifting in the India-Pakistan corner again. Modi remains a strong third-term Prime Minister, but he has had to go the extra mile to woo both Russia and the US over Ukraine. It’s not clear whether the Big Powers want Modi to renew contact with Pakistan again, which is what explains the timing of the Islamabad invite. Even if the invite is for a pro-China organisation, which is what the SCO is, perhaps the Americans are testing the waters. They certainly don’t want Pakistan to be fully drawn into China’s sway. And then there’s Kashmir. More than one India-Pakistan-US Track Two conversation has come away with the revelation that Pakistan may be willing to tone down its very harsh criticism of the abrogation of Article 370 and return to a conversation if India conducts elections in Jammu & Kashmir. Guess what’s happening there in September.

Securing the healers

Address systemic issues in ‘unsafe’ hospitals

The Centre’s directive to enhance security in hospitals is a critical response to a growing crisis — the safety of our healthcare workers. The brutal rape and murder of a junior doctor at Kolkata’s RG Kar Medical College has shocked the nation and underscored the urgent need for comprehensive security measures in medical institutions. This tragedy, among others, has led President Droupadi Murmu to express her deep anguish, calling for society to confront and address the root causes of violence against women. Hospitals, meant to be sanctuaries of healing, are increasingly becoming dangerous workplaces, particularly during the night shift when security is often insufficient. The Centre’s recommendation for joint security audits, installation of CCTV cameras and extending the 112 helpline to healthcare workers is an essential step towards creating a safer work environment. Routine night patrols, control rooms on medical campuses and



strict access controls are also necessary to prevent such heinous acts. Systemic vulnerabilities that make hospitals unsafe must be addressed holistically. However, these

measures must be more than reactive. Murmu’s poignant call for ‘honest, unbiased self-inspection’ urges us to recognise the issues that allow such crimes to occur. Comprehensive training of security personnel, regular security drills, and strict visitor protocols are essential. Additionally, the mental wellbeing of healthcare workers, who often work under immense stress, must be prioritised. The government’s proactive approach in recommending security enhancement is commendable, but the real challenge lies in ensuring effective implementation at the state and institutional levels. As a society, we owe it to our healthcare workers to provide them with a secure environment where they can perform their duties without fear.

Social media overuse taking its toll on consumers

Anonymity on social media encourages users to post inappropriate material and indulge in cybercrimes.

IT was shocking to learn during an orientation programme for new entrants at a law college in Punjab that students remain occupied on social media (SM) for an average of over seven hours a day, leaving them with little time for sports and other community engagements or personal activities. It is estimated that 65 per cent of the teenagers are hooked on social networking service (SNS) and 72 per cent of them have direct access to the Internet. The number of SM accounts and Internet users has crossed the 100 crore-mark in India. According to Pew Research Centre statistics, 77 per cent of employees admit to using social networking sites while at work. No one can deny that SM provides people who desire to expand their social networks, promote their businesses or overcome loneliness with an incredible platform. It fosters a feeling of belongingness among those who need company but cannot physically interact with their family members, friends and relatives. SNS also makes for a good pastime and a source of entertainment for all, especially senior citizens. However, overindulgence in SM has a harmful impact on the physical, mental and overall wellbeing of its users. According to a University of Buffalo study, excessive use of SNS by college students has detrimental effects on their physical health. They have higher levels of C-reactive protein (CRP), a sign of chronic inflammation connected to major diseases like diabetes, malignancies and cardiovascular problems. The new generation addicted to SM is at a high risk of suffering from the ‘blue light effect’, which is produced by the light emanating from electronic devices while in use. It adversely affects the production of the melatonin hormone, which controls the sleep-wake cycle or circadian rhythms, resulting in sleeplessness and a weak immunity.

A National Institutes of Health study (2018) at the New York-Presbyterian medical centre reported that children spending more than two hours a day on screen-time activities scored low on language and thinking tests. Some children exposed to the screen daily for more than seven hours experienced thinning of the brain’s cortex, the area related to critical thinking and reasoning. In 2015, psychologist Marion Underwood and sociologist Robert Faris analysed about 1.5 lakh social media posts from more than 200 students aged 13 years and found that they had created drastically different online personas for themselves. They felt the freedom to do or say whatever they wanted to without any inhibition or fear of consequences or repercussions. Media theorist Douglas Rushkoff calls this phenomenon ‘digiphrenia’, which is “the experience of trying to exist in more than one incarnation of yourself at the same time.” Studies have established that frequent stimulations received from SM sites shorten the attention span of the users, triggering far-reaching consequences. Such individuals may find it difficult to express themselves clearly, make mistakes as a result of a diminished attention to detail, and perform badly in a variety of settings, such as social situations, at their workplace and at educational institutions. Comparison is ingrained in human nature. The fake videos, manipulated information, impractical solutions and mischievous prescriptions published on SM are so mesmerising that ill-informed and innocent users start comparing their ‘real life’ with others’ ‘reel life’, leading to self-doubt and making

them feel frustrated and depressed. It is sickening that the rat race to get maximum likes on digital platforms and the quest for creating the best videos and stories have made many gullible individuals share each and every moment of their private life and that of others, allowing an intrusion into their privacy. It is leading to different kinds of behavioural abrasions, relationship discord and social conflicts. Such people

consume unsuitable content that might lead to moral desensitisation. An overindulgence in SM leads to psychological disorders; a new class of such victims has already emerged. They can be seen checking their cell phones involuntarily — 79 times a day, according to a study — compelled by the desire to seek screen stimulation. Excessive time spent on networking sites has the potential of dragging such individuals into solitude and loneliness. In the absence of regular face-to-face interactions, humans lose the ability to recognise and respond to facial cues, voice tone and inflection, body language and the warmth of emotions. The ethical consequences of addiction to SM are far more serious and extend from cyberbullying to privacy violations. Notably, 30 per cent of students in middle and high school are either victims or culprits of cyberbullying; 18 per cent of them are girls. Unfortunately, 15 per cent of the victims of cyberbullying attempt suicide out of depression. Anonymity on SM often encourages users to post inappropriate material and indulge in cybercrimes. Although the Telecommunications Act, 2023, prescribes duties of the SM users and measures to protect consumers from unauthorised intrusion into their privacy and empowers enforcement agencies to intercept objectionable communication, it is not proving a deterrent in the absence of rules and a lack of awareness among the masses. Humankind now stands at a critical juncture regarding social media overuse. It must introspect: “Are we using SM or has it started consuming us?” SM should be used with due responsibility.



do not understand that SM platforms are best meant for impacting people and not for impressing others. The bombardment of crypted and unverified information on social networking sites is cluttering the users’ minds. It has snatched away from them the joy of being and living in the moment. Moreover, biased SM algorithms passively make the users

Seven IPOs worth Rs 11,000 crore to flood Dalal Street next week

MUMBAI. Seven companies including Bajaj Housing Finance, debt arranging platform Northern Arc and jewellery player PN Gadgil Jewelers are hitting the primary capital markets next week, seeking to mop up close to Rs 11,000 crore.The other issuers tapping the market next week are Arkade Developers, Tolins Tyres, auto component player Kross and Gala Precision Engineering.

While the issue from Bajaj Housing Finance is the largest at Rs 7,000 crore, the Chennai-based debt arranger Northern Arc is raising Rs 1,500 crore, the Pune-headquartered almost 200-year-old PNG Jewelers is mopping up Rs 1,100 crore, Kross is looking at raising Rs 500 crore, the city-based Arkade Developers which is primarily into redevelopment in the megapolis is seeking to garner Rs 430 crore in a fully primary issue, the Kerala-based Tolin Tyers is eyeing Rs 230 crore, and the city-based Gala Precision Engineering is looking at garnering Rs 180 crore, according to their filings with the regulator Sebi.

The Rs 7,000-crore Bajaj Housing issue is the first IPO from the Pune-based group since May 2008 and consists of a fresh issue of Rs 4,000 crore and an offer for sale of up to Rs 3,000 crore by the selling shareholder Bajaj Finance.The Bajaj Group has filed the draft red herring prospects with market regulator Sebi for a Rs 7,000-crore primary share sale from its housing finance arm Bajaj Housing Finance.

The Bajaj group, founded in 1926, has several publicly traded companies -- Bajaj Finserv (May 2008), which is the parent of the issuer and also the group's holding company of its financial services vertical; Bajaj Finance, another promoter of the firm hit the market in 1994; and flagship Bajaj Auto which went public much earlier and is the world's most profitable two-wheeler maker.According to the Sebi filing, only Bajaj Finance is participating in the offer for sale of up to Rs 3,000 crore though Bajaj Finserv is also a promoter.

The Chennai-based Northern Arc Capital, which is primarily into arranging debt for small businesses and micro lenders but also has a non-banking arm, is raising Rs 1,500 crore through the public issue in a mix of fresh issue and offer for sale by its external investors, the details of which are not known as of now.

The 1,100 crore issue of Pune-headquartered jewelry retailer PNG Jewelers, which has 39 stores across Maharashtra and Goa, consists of fresh issue of Rs 850 crore and the Rs 250 crore of OFS by the family trust SVG Business Trust that fully owns

Ayush presents significant soft power opportunity, says AIIA director Tanuja Nesari

NEW DELHI. The role of Ayush (Ayurveda, Yoga, Unani, Siddha, and Homeopathy) as a significant soft power of India presents vast opportunities for economic growth and international exports, said Tanuja Manoj Nesari, Director of All India Institute of Ayurveda (AIIA).“Ayush is not just a sector; it embodies India's rich cultural heritage and serves as a unique selling proposition that cannot be replicated elsewhere,” the director said in an interaction with The New Indian Express.“This is a soft power of India, akin to our art and culture, and it holds immense potential for boosting the economy,” she added.

The director added that integrating Ayush principles with agriculture could lead to substantial income increases for farmers. “By adopting integrated farming practices, we can double farmers’ incomes while promoting sustainable agricultural techniques,” she noted. “This sector has the potential to serve as a backbone for the Indian economy.”She further elaborated on the interconnectedness of the Ayush sector with agriculture, pharmaceuticals, and biomedical engineering.“As we strengthen our agricultural base, we also enhance opportunities in the pharmaceutical and health sectors,” she explained. The director projected a significant rise in the export of Ayurvedic products, highlighting the increasing global demand for natural and holistic health solutions.

The government aims to foster innovation and entrepreneurship in the health sector, with a target of developing 100 unicorns over the next three years. Nesari revealed that the initiative is centered around three key areas: Ayurvedic food products, biomedical engineering, and technology integration. “With rising health consciousness among consumers, there is a tremendous opportunity in the healthy food products market,” She added.

India's Q1 GDP: Private consumption lifts mood

NEW DELHI.The GDP growth slumped to a 15-month low with 6.8% real rate of growth in the first quarter of 2024-25. However, there are some reasons for hope and cheers. Private consumption growth during the quarter surged to a 2-year high of 7.4% as against 4% in the previous quarter and 5.5% in the year-ago period. Private final consumption expenditure accounted for 56.3% of GDP in the first quarter of FY25 as against 55.9% in the same quarter a year ago.

The strong growth in consumption in Q1 was seen despite an uneven monsoon and intense heat wave. As per experts, pick up in the rural demands as well as moderation in retail inflation might have worked in favour of private consumption during the period.

Rural demand pick-up was signaled by better sales numbers of two-wheelers, tractors and FMCG sales. Two-wheeler sales grew 12.6% in Q1. While the Q1 tractor sales were 12.44%, the sales in April surged by 33%. Recovery in rural India kept FMCG sales growth steady.As per Gaura Sen Gupta, economist, India First Bank, the (consumption) growth is likely led by rural demand with improvement in labour market conditions. “There has been a fall in demand for jobs under NREGA in Q4FY24 and Q1FY25. Rural demand indicators remain positive with momentum in two-wheeler sales (20.4%YoY in Q1) and improvement in tractor sales,” says Gupta. She said consumption growth during Q1 indicates urban spends has held-up, against expectation of a moderation.High frequency indicators for urban demand like FMCG sales volume and passenger vehicle (PV) sales growth remained muted in Q1. PV sales grew at 2.53% in Q1.

Lok Sabha polls, reduced spending: RBI Governor's reasons for Q1 GDP fall

India's GDP growth slowed to

6.7% in April-June

RBI had projected 7.1%

growth for the quarter

Agriculture sector grew

minimally at around 2%

New Delhi. The slowing of India's economic growth to a 15-month low of 6.7 per cent in the April-June quarter was due to "lower" government spending in the wake of the enforcement of the model code of conduct for the recent Lok Sabha polls, RBI Governor Shaktikanta Das said here on Saturday.The RBI had projected a growth rate of 7.1 per cent for the April-June quarter of this fiscal."The Reserve Bank projected a growth rate of 7.1 per cent for the first quarter. However,

the first advance estimation data released by the National Statistical Office showed the growth rate at 6.7 per cent," Das said.The components and main drivers responsible for the GDP growth like consumption, investment, manufacturing, services and construction have registered a growth of more than 7 per cent, he said.

Only two aspects have pulled the growth rate slightly down. Those are—government (both central and state) expenditure and agriculture, the RBI governor pointed out.He said the government expenditure was low during the first quarter perhaps due to elections (April to June) and operation of model code of conduct by the Election Commission."We would expect the government expenditure to pick up in coming quarters and provide the required support to growth," Das said.Similarly, the agriculture sector has recorded a minimal growth rate of around 2 per cent in the April to June quarter. However, the

monsoon was very good and spread all over India except a few areas. So, everyone is optimistic and positive about the agriculture sector, he noted.



"Under these circumstances, we have reasonably confident expectations that the annual growth rate of 7.2 per cent projected by the RBI will be materialised in coming quarters," the governor asserted.Das said that GST, inflation targeting framework and Insolvency & Bankruptcy Code (IBC) are the three

major reforms made during the past 10 years.Addressing a national conference of chartered accountants (CAs) here, he said, “The primary functioning of the RBI, as defined in its preamble, is to maintain price stability, while keeping in mind the objective of growth. This was a major structural reform made by the government in 2016 by amending the RBI Act.”With this amendment, the RBI is mandated by the law to maintain the price stability with keeping the inflation at 4 per cent, with a leeway of 2 percentage points on either side, he said.

When Covid hit, the RBI reduced the repo rate by 250 basis points. Similarly, after the Ukraine war started, due to various international factors and some domestic weather events, the inflation rose to 7.8 per cent. So, at that time, the central bank had quickly increased the interest rate, he pointed out.Stating that quality of audit in any organisation is very important, Das advised the CAs to do a true diagnosis of the health of a company like doctors.

FPIs Inflow in Equities Drops to Rs 7,320 Crore in August on Higher Valuations

NEW DELHI. Foreign investors have adopted a cautious stance and infused Rs 7,320 crore in the Indian equities in August owing to high valuation of stocks and the unwinding of the Yen carry trade after Bank of Japan raised interest rates. This investment was way lower than Rs 32,365 crore in July and Rs 26,565 crore in June, according to data with the depositories.While September is likely to see continued interest from FPIs, the flows would be shaped by a combination of domestic political stability, economic indicators, global interest rate movements, market valuations, sectoral preferences, and the attractiveness of the debt market, Vipul Bhowar, Director Listed Investments, Waterfield Advisors, said.According to the data with the depositories, Foreign Portfolio Investors (FPIs) made a net investment of Rs 7,320 crore in Indian

equities in August.The fundamental reason for the poor FPI interest compared to the preceding two months is the high valuation in the Indian market. With Nifty trading at above 20 times estimated FY25 earnings, India is



the most expensive market in the world now.FPIs have opportunities to invest in much cheaper markets and, therefore, their priority is markets other

than India, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said.Additionally, the unwinding of the Yen carry trade on August 24 significantly impacted FPI behaviour, leading to substantial sell off in Indian equities, Bhowar said.This unwinding coincided with rising fears of a potential recession in the US and disappointing economic data, which further exacerbated the market's reaction, he added.Interestingly, FPIs have been selling in the secondary market, where valuations are perceived to be high, and redirecting their investments towards the primary market, which offers relatively lower valuations.Meanwhile, FPIs infused Rs 17,960 crore in the debt markets in August.

Experts believe that inclusion in global bond indices, attractive interest rates, stable economic growth, shift from equities, and favourable long-term outlook have been the key factors driving FPIs to invest in debt.

Commercial LPG Cylinder Gets Costlier By Rs 39 in Delhi; Check Latest Prices In Delhi, Mumbai And Other Cities

With this, the rate of a commercial LPG cylinder in Delhi now stands at Rs 1,691.5, as compared with Rs 1,652.5 earlier.

NEW DELHI. Commercial LPG, which is used in various establishments such as hotels and restaurants, has become costlier from Sunday, as oil marketing companies (OMCs) have hiked the price of a cylinder by Rs 39 from September 1 in Delhi. With this, the rate of a commercial LPG cylinder in Delhi now stands at Rs 1,691.5, as compared with Rs 1,652.5 earlier.The price hike came after a series of rate reductions — Rs 30 cut in

July, Rs 69.5 per cent decrease in June, and Rs 19 fall in May.Indian Oil Corporation (IOC), Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL), and Hindustan Petroleum Corporation Ltd (HPCL) adjust



cooking gas prices on the 1st of every month.While the specific reasons for the price hike have not been disclosed, factors such as international oil price

fluctuations, changes in taxation policies, and supply-demand dynamics likely influence these adjustments. Revisions for both commercial and domestic LPG cylinders typically occur on the first day of each month.The government promotes using LPG cylinders for household cooking through various schemes like the Pradhan Mantri Ujjwala Yojana, which provides subsidies to eligible families.In the previous revision on August 1, the price in Delhi was increased by Rs 6.50 to Rs 1,652.50 from Rs 1,646. In Kolkata, the price increased by Rs 8.50, bringing the cost to Rs 1,764.50. In Mumbai, the price was Rs 1,605, while in Chennai, it stood at Rs 1,817.Meanwhile, the price of jet fuel, or the aviation turbine fuel, has been reduced from Rs 97,975.72 Kl to Rs 93,480.22 Kl, with effect from September 1, 2024.



Consultancy Services (TCS) jumped Rs 31,784.9 crore to Rs 16,46,899.17 crore and that of ICICI Bank surged Rs 18,734.3 crore to Rs 8,66,374.41 crore.The market capitalisation (mcap) of Reliance Industries climbed Rs 13,396.42 crore to Rs 20,43,107.10 crore and that of HDFC Bank rallied Rs 5,600.24 crore to Rs 12,44,206.43 crore.The valuation of Life Insurance Corporation of India (LIC) went up by Rs 2,340.25 crore to Rs 6,73,390.88 crore and that of State Bank of India advanced Rs 356.98 crore to Rs 7,27,935.97 crore.However, the mcap of Hindustan Unilever slumped Rs 8,411.54 crore to Rs 6,52,739.95 crore and that of ITC declined by Rs 4,776.48 crore to Rs 6,27,587.76 crore.Reliance Industries continued to retain the title of the most valued firm followed by TCS, HDFC Bank, Bharti Airtel, ICICI Bank, Infosys, State Bank, LIC, Hindustan Unilever and ITC.

'Infant attrition' on rise, accounts for 10-15 per cent of annual labour movement: TeamLease Services

The affected sectors, like IT and software, Banking, Financial Services, and Insurance (BFSI) and telecom, retail and manufacturing are witnessing this phenomenon.

MUMBAI. Poor work-life balance, flexibility, and job dissatisfaction are leading to 4-5 per cent annual increase in 'infant attrition' -- employees quitting within six months of joining -- mainly in sectors like consumer durables, IT, and software, and BFSI, a senior executive of TeamLease Services said.Infant attrition refers to the phenomenon where employees leave an organisation within a short period after joining, typically within the first six months or during the probation period, some companies also consider three months as infant attrition."Infant attrition in India, mainly seen in the 22-32 years age group, is growing annually at 4-5 per cent and is mostly driven by factors like poor work-



life balance and flexibility, which is particularly important to younger workers, job dissatisfaction, inadequate onboarding, insufficient compensation, making employees seek better opportunities," TeamLease Services Chief Strategy Officer Subburathinam P told PTIL.Lack of career development opportunities, culture of the organisation, work environment, managerial impact,

and changes happening in the family are also prompting new hires to leave in search of environments where they can grow and advance, he said.Infant attrition can also imply that there are more job opportunities, allowing people to switch, he said. "In India, the concept of infant attrition gained significant attention in the early 2000s, particularly within the IT sector. The rapid growth of the IT

industry led to high demand for skilled professionals, and companies faced challenges in retaining new hires," he added.He further explained that this phenomenon can have a significant financial impact on companies in the country and it is estimated that infant attrition accounts for about 10-15 per cent of annual labour movement. Which can lead to substantial costs, including recruitment, training, and lost productivity.The affected sectors, like IT and software, Banking, Financial Services, and Insurance (BFSI) and telecom, retail and manufacturing are witnessing this phenomenon, he added. Subburathinam further said, with 49 per cent consumer durables sector is witnessing the highest infant attrition, where new hires leave within the first six months. This trend is particularly pronounced in south India, where the infant attrition rate is as high as 51 per cent, he noted.When it comes to gender the overall male attrition stands at 84.5 per cent and women attrition at 15.5 per cent. Maharashtra, Karnataka, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, and Telangana are the states with the highest infant attrition rates, he added.

JD(U) leader KC Tyagi quits as party spokesperson, cites personal reason

KC Tyagi resigned as the JD(U)'s national spokesperson citing 'personal reason', while sources suggest that it was due to the party's dissatisfaction with his recent statements.

►**Rajiv Ranjan Prasad to replace KC Tyagi as JD(U) spokesperson**
►**Tyagi cites 'personal reason' in resignation letter, says party**
►**Party sources suggest displeasure of party leadership over his statements**

Patna. Senior Janata Dal (United) leader KC Tyagi resigned as the party's national spokesperson, Bihar Chief Minister Nitish Kumar's party said on Sunday. Tyagi cited "personal reason" for his resignation in his

letter to the party leadership. However, sources suggested that the resignation was due to the leadership's displeasure with his recent statements on various issues.Rajiv Ranjan Prasad will be replacing Tyagi as the new national spokesperson of the party, the party announced.According to sources, Tyagi resigned because the party leadership felt that his statements, including the recent one on the Israel-Palestine issue and the lateral entry controversy, deviated from the party line. He had urged the Centre to stop arms supplies to Israel and had stated that India supports peace and a ceasefire in Gaza.

Party sources alleged that Tyagi made statements without consulting the leaders



and that there were talks of alleged differences within the National Democratic Alliance (NDA) due to his remarks.Tyagi, the 73-year-old leader, has been with Nitish Kumar throughout his political journey and has been considered as a prominent face of the party. He was a Rajya Sabha MP from

Bihar from 2013 to 2016 and was a Lok Sabha member from 1989 to 1991 from the Hapur constituency.Tyagi was a signatory to a recent statement put out by present and former MPs, condemning Israel's actions, saying "India can not be complicit in this genocide". The party sources talked to India Today also cited his comments on the Supreme Court's decision regarding SC/ST and on the issue of lateral entry jobs under UPSC, stating that these were made without prior discussion within the party.Commenting after the Supreme Court refused to stay the Patna High Court's order that set aside the state government's amendments to increase the quota, Tyagi said that the JD(U) is in favour of a caste-based census in the country, a key

demand put forth by the INDIA bloc parties.The JD(U) leader had also spoken against the Union Public Service Commission (UPSC)'s decision to appoint "talented and motivated Indian nationals" to the posts of Joint Secretary, Director, and Deputy Secretary in 24 ministries of the Union government through lateral recruitment.

JD(U) sources also alleged that Tyagi frequently presented his personal views on these issues as if they were the views of the party.With two senior JD(U) leaders, including Union minister Lalan Singh and its parliamentary party leader Sanjay Jha, based in Delhi, there is a view in the party that the two leaders should be left to shape the ties with the BJP without frequent public interjections of Tyagi, news agency PTI reported.

Girl, 13, pregnant after being raped by school peon in Uttar Pradesh

New Delhi:A 13-year-old girl was allegedly raped by a government school peon and his accomplice in Farrukhabad in Uttar Pradesh, police said.The incident came to light five months later when the girl's parents discovered she was pregnant and filed a complaint on Saturday (August 31), news agency PTI reported.Police was quoted by PTI as saying that a few months ago, the girl had gone to the washroom at night, when the school people, Pankaj and another person from the village, Amit, caught her. They took her to an empty house where Amit raped her, while Pankaj kept a watch outside.

The girl was then threatened that she would be killed if she revealed the incident to anyone.However, on Saturday, her mother found that she was five-months pregnant, following which she revealed the incident.An FIR has been lodged on charges of rape and under provisions of the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act against the accused. No arrests have been made in the case yet, an official was quoted as saying by PTI.Pankaj got a job as a peon in a council school as the dependent of a deceased, police said.

Jet Fuel Price Cut 4.6%, Commercial Cooking Gas Up By 39 Per Cylinder

The price reduction will help ease the burden on airlines for whom fuel makes up for almost 40 per cent of the operating cost.

New Delhi: Jet fuel, or ATF, price was on Sunday reduced by 4.6 per cent while the rate of commercial LPG used in hotels and restaurants was hiked by ? 39 per 19-kg cylinder in the monthly revision done in line with international oil price trends.Aviation turbine fuel (ATF) price was cut by ? 4,495.5 per kilolitre, or 4.58 per cent, to ? 93,480.22 per kl in the national capital, according to state-owned fuel retailers.The price reduction will help ease the burden on airlines for whom fuel makes up for almost 40 per cent of the operating cost.

The reduction follows two rounds of monthly price increases. Jet fuel prices were on August 1 raised by 2 per cent or ? 1,827.34 per kl and by 1.2 per cent (Rs 1,179.37 per kl). These hikes followed a steep 6.5 per cent (Rs 6,673.87 per kl) reduction effected on June 1.

The ATF rate in Mumbai was reduced to ? 87,432.78 per kl on Sunday from ? 91,650.34 previously.Prices differ from state to state depending on the incidence of local taxes.Alongside, oil firms increased the price of commercial LPG by 39 to 1,691.50 per 19-kg cylinder.

This is the second straight monthly increase. Prices were hiked by 6.5 per cylinder on August 1. The two rounds of increase follow four monthly price reductions. In four price reductions, rates were cut by 148 per 19-kg cylinder.Commercial LPG now costs 1,644 per 19-kg cylinder in Mumbai, 1,802.50 in Kolkata and 1,855 in Chennai.Rate of cooking gas used in domestic households, however, remained unchanged at 803 per 14.2-kg cylinder.

State-owned Indian Oil Corporation (IOC), Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL), and Hindustan Petroleum Corporation Ltd (HPCL) revise prices of ATF and cooking gas on the first of every month based on the average price of benchmark international fuel and foreign exchange rate.Prices of petrol and diesel continue to remain frozen. Rates had been cut ? 2 per litre in mid-March. Petrol costs ? 94.72 a litre in Delhi while diesel is priced at ? 87.62. PTIANZ TRB TRB.

Bihar man tries to attack Union Minister Giriraj Singh at event, gets beaten up

New Delhi:A man was arrested on Saturday after he tried to attack Union Minister Giriraj Singh at an event in Bihar's Begusarai, the BJP leader's Lok Sabha constituency. The accused had come to the minister's 'Janta Darbar' (public grievance redressal programme) with a petition and was beaten up by Singh's supporters following the incident.According to Singh, the man, identified as Saifi, had dressed as a cleric and asked him to look into his petition. He said the man raised slogans against him when he told him the programme was over."The bearded person dressed like a maulvi (cleric) came to me with a petition and asked me to look into it. I told him that the 'Janta Darbar' was over and that he should have come on time. He then started shouting slogans against



me. At one point of time, it appeared that he would physically attack me," Singh said.He alleged that the accused was not talking to him properly."He was overpowered by the people who had gathered there. He was handed over to the police later," the Union Minister said.Begusarai Superintendent of Police (SP) Maneesh said the accused attempted to break the security cordon and was said to be a ward

councillor."One person has been arrested and he is in police custody. The Union Minister had a program in Ballia subdivision on Saturday afternoon, during which a person behaved indecently. The policemen present in the security cordon caught him and further action is underway," he told news agency ANI."The person's name is Shahzad alias Saifi. He was caught behaving indecently and trying to break the security cordon.. He is a resident of Ballia and is said to be a ward councillor," he said.Later, Singh tweeted that he would not be scared by such attacks."Those who pamper these people on seeing their beard and cap must see how love jihad and communal tension is being created in the entire country as well as in Begusarai," he said.

"I Only Hope...": Actor Jayasurya Breaks Silence On Sex Harassment Charges

New Delhi: Denying the sexual harassment allegations against him, actor Jayasurya today said that he would take legal action. The case is among the avalanche of sexual assault and rape allegations against some of Bollywood's biggest names, including veteran actor Siddique and filmmaker Ranjith Balakrishnan.Two actors have filed cases against Jayasurya, both of which the actor claimed are false."I have decided to move forward with this legally. My legal team will be looking after the rest of the proceedings regarding this case. False allegations are easy to make for anyone who lacks a conscience. I only hope one realises that facing a false accusation of harassment is just as painful as the harassment itself,"



Jayasurya said in an Instagram post.A lie always travels faster than the truth but I believe truth will prevail. All the legal proceedings to prove my innocence will continue. I have complete faith in our judicial system. Thank you to those who contributed to making this birthday the most painful one," he added.The MeToo storm in the Malayalam film industry started after the report by Justice Hema Committee, which details

allegations of sexual harassment by women in the industry, was made public. The 235-page report, published after redacting names of witnesses and the accused, notes that the Malayalam film industry is controlled by 10-15 male producers, directors, and actors.Actor Minu Muneer has accused Jayasurya and M Mukesh of sexual harassment during the shooting of a movie in 2013.Speaking to NDTV, the actor shared her harrowing ordeal."I had a bitter experience while shooting for a film. I had gone to the toilet and when I came out, Jayasurya hugged me from behind and kissed me without my consent. I was shocked and I ran out," she said, adding that the actor offered her more work.

‘Cow is Revered...Who Can Stop Them?’: Haryana CM Saini’s Take On Charkhi Dadri Lynching-Murder Incident

Haryana CM Saini downplays the Charkhi Dadri lynching, calling it "unfortunate" but insists it's not mob lynching, sparking controversy with his remarks on cow reverence.

New Delhi: Haryana police on Saturday arrested five members of a cow vigilante group and detained two boys in connection with the alleged lynching of a man from West Bengal.

The migrant worker was suspected of eating beef and was allegedly beaten to death in Charkhi Dadri district. The incident has sparked strong reactions from opponents of the Bharatiya Janata Party (BJP) as the



state prepares for upcoming assembly elections in just over a month. Sabir Malik, a 26-year-old man from North 24 Parganas district in West Bengal, was living in Hansawas village, Charkhi Dadri, with his wife and 2-year-old daughter while working as a ragpicker. On August 27, he was killed by a group of men who lured him under the pretense of giving him plastic waste. When

questioned about the incident, Chief Minister Nayab Singh Saini stated at a press conference, "It is not right to use terms like mob lynching. We have passed a strict law in the state assembly to protect cows, and there will be no compromise on that."

He asserted that the August 27 incident is "unfortunate" but urged people to refrain from calling it lynching. Saini further

stressed, "In villages, the cow is revered so much, and if they (villagers) come to know that they are creating such a situation, who can stop them from reacting, and whatever happens afterward, happens. But I want to say that such incidents should not take place. These things are unfortunate," he said. According to a senior police officer, on the day of the incident, the accused allegedly lured Sabir Malik to a shop under the pretense of selling empty plastic bottles and then assaulted him there. After bystanders intervened, the accused reportedly took Malik to another location, where they beat him again, resulting in his death.

Malik, who lived in a shanty near Bandhra village in Charkhi Dadri district, earned his livelihood by collecting waste and rags, the police said. All five accused have been arrested, and two juveniles have also been apprehended in connection with the case. The police have sent a food sample for testing at a lab in Faridabad, the officer added.

New Study Explains How Space Travel Can Affect Astronauts' Bodies

New Delhi: Space travel can cause shifts in the gut that might suppress the immune system of astronauts and affect their metabolism, according to a study.The findings help understand how space missions of long durations could affect health of astronauts, researchers said.Using genetic technologies, a team of researchers, led by those at Canada's McGill University, analysed changes in the guts, colons and livers of mice onboard the International Space Station or the ISS over a period of three months.

An international collaboration of NASA and other space agencies, the ISS is a spacecraft in the Earth's orbit. It is a unique science lab and serves as a "home where crews of astronauts" live, according to the NASA.he authors found significant shifts in gut bacteria that indicated changes in the mice's liver and intestinal genes, suggesting that spaceflight might suppress the



immune system and alter metabolism. "These interactions suggest disruption of the signals, metabolites, and immune factors exchanged across the gut-liver axis which are likely to drive glucose and lipid (fat) dysregulation," the authors wrote in the study published in the journal npj Biofilms and Microbiomes.Collectively, these multicomic findings suggest host-gut microbiome interactions during spaceflight are likely to underlie widespread changes to host physiology which could pose a risk to health," they wrote.The researchers said the study's results can help develop safeguards and ensure success of future space missions, from establishing a long-term presence on the Moon to sending humans to Mars."Spaceflight extensively alters astronauts' bodies, yet we still don't fully understand why. By using advanced techniques to study both gut bacteria and genes at the same time, we're beginning to see patterns that could explain those changes and help us develop safeguards for future missions," lead author Emmanuel Gonzalez from the McGill University said.

NEWS BOX

Serena Williams told she is cheering for me: Iga Swiatek 'star-struck' at US Open

New Delhi. World No. 1 Iga Swiatek met the 23-time Gran Slam champion Serena Williams as she arrived at Flushing Meadows as a 'viewer' this time. The former tennis player appeared at the court after two years to her last appearance at the US Open 2022. Williams dominated the US Open throughout her career, having won 6 titles here. However, she bid an emotional adieu to the hard court after the Round 3 match against Australian Ajla Tomljanovic. She graced the hard court this time and wore her iconic short-pleated denim skirt and jacket look as she attended the matches.Williams was seen chatting with Swiatek at the player's gym ahead of her Round 3 match against Anastasia Pavlyuchenkova at the Arthur Ashe Stadium. Swiatek revealed that her chat with Williams inspired her as she won Round 3. The No. 1 seeded player was also elated after knowing that Williams was cheering for her to win the title. After saying



goodbye to tennis, Williams remained busy with her business enterprises and welcomed the birth of her second daughter last year. She watched World No. 1 Jannik Sinner pulling off a straight set win over Christopher O'Connell. She also caught some of American Tommy Paul's action over Gabriel Diallo."More inspired me and it gave me, like, a positive kick, so it was nice. "It was really nice to see her. She has a lot of positive energy. It's nice that she came on-site and she was chatting with the players, because for me, yeah, I still felt, even though we met before and for like a couple of years we have been on the same sides and on tour together, she's still like star-striking me," Swiatek said in the press conference."It was nice that she approached me, because I wouldn't, for sure, find courage to do that (smiling) if it was the other way. But, yeah, she's really nice and really positive. I'm happy that she's following tennis, you know, and, like, my game, because she told me that she's cheering for me. It's always nice to hear that from somebody like Serena."The 2022 US Open champion Siatek dominated in Round 3 with a 6-4, 6-2 win over Pavlyuchenkova. Swiatek will meet 16th-seeded Liudmila Samsonova of Russia in the Round of 16.Meanwhile, Williams' old friend Caroline Wozniacki, who was back on tour after a maternity break, joked that she was "pretty mad" that she didn't spot Williams in the stands at her match.

US Open: Alex de Minaur thrashes Evans to set up Australian clash with Thompson

Alex de Minaur beat Dan Evans in the third round of the US Open men's singles on Sunday, September 1 at Louis Armstrong Stadium and secured his place in the quarter-finals of the event. The 25-year-old beat the British player rather comfortably by 6-3, 6 (4)-7, 6-0, 6-0.The Australian also became the first player from his nation to reach the fourth round of all Grand Slam tournaments in the same season since Lleyton Hewitt 20 years ago. De Minaur won the first set rather comfortably beating Evans by 6-3. However, the British player made a good comeback in the second set winning a tight tie-breaker by 7-6 (4).Just when Evans looked to claw his way back into the game, he suffered an injury and



ended up losing the remaining two sets in six straight games each. However, he was praised by De Minaur after the match for continuing to fight and not withdrawing from the match."We should show a lot of respect for Dan. He's the ultimate competitor. He could have easily pulled out; the body obviously wasn't feeling well. But he stayed out and tried his best and I really appreciate it," said De Minaur in his on-court interview.The highest-ranked player from his country said that he's proud of his achievements this year and spoke about his struggles coming back from injury."I'm super proud of what I've been able to achieve this year. It's been tough coming back from injury, but I'm so happy to be back here in New York playing these kind of matches. Let's keep it going," he added. It's a pity I've got to play against Thompson: De Minaur

De Minaur will be up against his compatriot Jordan Thompson in the next game in the all-Australian clash. Speaking ahead of the match, he praised his fellow countrymen Thompson and Alexei Popyrin and mentioned how the latter beat Novak Djokovic."It's so good for Australian tennis to show what we're capable of. Alexei putting on a show last night to beat Novak. Jordan playing some incredible tennis. It's a pity we've got to play each other.

MS Dhoni opens up about 'elder brotherly' bond with Virat Kohli

MS Dhoni opened up about his bond with Virat Kohli and hailed him as one of the best batters in world cricket.

New Delhi. Former India captain MS Dhoni opened up about the bond he shared with Virat Kohli. The two stalwarts have been pillars of Indian cricket for more than a decade. While Dhoni acknowledged the age gap between them, he emphasised that they share a great bond as "colleagues" in the Indian team. Dhoni also praised Kohli as one of the best players in world cricket. Dhoni announced his retirement from international cricket on August 15, 2020. Indian cricket fans have always admired the partnership between Dhoni and Kohli on the field and their camaraderie off it. Kohli took over the captaincy from Dhoni when he stepped down from leading India in late December 2014 in Tests and in late 2016 in the white-ball format. However,



the duo ensured a smooth transition, with Dhoni continuing to be part of India's white-ball setup when Kohli became the

captain. Kohli never hesitated to seek Dhoni's opinion while making DRS calls, as Dhoni was rarely wrong with his

decisions from behind the stumps. "We have been playing together since 2008/09, and while there's an age gap, I wouldn't necessarily say I'm like an older brother or anything; we've just been colleagues who have played for India for a long time. He has been among the best in world cricket," Dhoni said at an event.

The 'Mahirat' bond

Whether it's their heart-warming moments on the field or the mutual respect they show off it, "Mahirat," as fans affectionately call them, has been loved by all. Since Dhoni's retirement, fans have eagerly awaited the IPL to see him and Kohli together again. Kohli has consistently shown respect towards Dhoni, even crediting him for giving him opportunities early in his career. In a previous interview, Kohli revealed that Dhoni was the only one who reached out to him after he stepped down as Test captain.

Despite Kohli being known for his flamboyant style and Dhoni for his calm and cool demeanor, the admiration between the two players is evident.

Samit Dravid reacts to India Under 19 selection for Australia series

Legendary India cricketer and former India head coach Rahul Dravid's son Samit reacted to his maiden call up to the Indian Under 19 team for the Australia series.

New Delhi Legendary India cricketer and former India head coach Rahul Dravid's son Samit, gave his reaction on earning his maiden selection in the India Under 19 team.



Notably, Samit was picked for the upcoming multi-format series against Australia under 19 set to begin from September 21 in India.

The two teams will be facing off in three One Day games and two four-day matches in Puducherry and Chennai. Commenting on his selection, the 18-year-old said that he was elated to be a part of the team and thanked his fans for the wishes.

"First of all, I am very happy to be selected and thank you for all your wishes. I think I am feeling great, I worked very hard for this moment," said Samit in a video shared by Star Sports Kannada on X.Samit is currently playing in the Maharaja T20 Trophy for Mysuru Warriors. However, the right-handed hasn't had a memorable time in the league scoring just 82 runs from seven innings at an average of 11.71 and a strike rate of 113.88. His highest score of the tournament came against Gulbarga Mystics where he scored 33 (24) with the help of four fours and a six.

Samit's all-round show in Cooch Behar Trophy 2023-24Earlier, Samit was the fourth-highest run scorer for Karnataka in the Cooch Behar Trophy 2023-24 with 362 runs from ten at an average of 36.20 with three half-centuries to his name and a highest score of 98. The right-arm seamer also picked up 16 wickets from 15 innings at an average of 19.31.

On This Day in 2015: Virat Kohli era kicks off with historic triumph in Sri Lanka

New Delhi. On this day in 2015, Virat Kohli's Test captaincy era began on a high note with a historic 2-1 series win against Sri Lanka. This was a significant milestone, marking India's first Test series victory on Sri Lankan soil in 22 years. When Kohli took over as Test captain, following the retirement of MS Dhoni from Test cricket in late 2014, expectations were high, but so were the challenges. Kohli, known for his intense passion for the game and aggressive style, was stepping into big shoes, and his first full series as captain would be a crucial test of his leadership. For Kohli, it was more than just winning a series, it was about setting the tone for the future, establishing a fearless and determined approach to the game that was reflected in his own personality.The win cemented Kohli's place as a leader who could inspire his team to achieve greatness. This series victory would go on to be remembered as the moment when Kohli's captaincy era truly began, marking the start of a new chapter in Indian cricket, defined by aggressive intent, resilience, and an unyielding will to win. It also set the tone for India's dominance in Test cricket under his captaincy.

A loss in the opener Test match

The series began in Galle, where India faced a surprising defeat despite being in a commanding position for most of the match. Chasing a modest target of 176, the



Indian batting line-up collapsed to 112 all out, giving Sri Lanka a 63-run victory. Kohli, who scored 103 runs in the first innings, was visibly disappointed, but his determination to turn things around was evident.

A legacy that inspired upcoming generation In the second Test at Colombo, India bounced back strongly. Kohli's belief in his young team paid off as they dominated the match

Virat Kohli's Test captaincy era kickstarted on a triumphant note with a 2-1 win over Sri Lanka. India won their first-ever Test series in the island nation in 22 years.

from the onset. Centuries from Ajinkya Rahane and Murali Vijay, along with a five-wicket haul by Ravichandran Ashwin, helped India secure a massive 278-run victory, levelling the series at 1-1.

The third and final Test, also in Colombo, was the decider. Kohli led from the front, but it was Cheteshwar Pujara's gritty145 that stood out. Pujara's marathon innings, supported by Ashwin's all-round performance, ensured India posted a challenging total. Ashwin, along with pacer Ishant Sharma, dismantled the Sri Lankan batting line-up, giving India a 117-run win and clinching the series.



Medvedev won 6-3, 6-4, 6-3 against Cobolli, marking his sixth consecutive US Open Round of 16 appearance, a streak he has maintained since 2019. Since 2020, no one has accumulated more hard court wins than Medvedev, who has also reached the Round of 16 in all Grand Slams this year."I said it before the match that to me, upsets don't really matter. The conditions are a bit tricky," Medvedev said. "The favourites maybe have less margin against the other guys. I just have to be more cautious. If I play good tennis, I can win the whole thing. If I don't play good, I can lose against anyone. I just have to play my best and try to win."The 2021 champion and two-time finalist has now reached the second week at Flushing Meadows six straight years, and will next face Portugal's Nuno Borges.

The controversial review call

Beatriz Haddad Maia secured her Round of 16 spot after her third-round win at Louis Armstrong Stadium. Kalinskaya led 2-0 in the first set but was unsettled after a video review call.She claimed her Brazilian opponent won a point off a double bounce, but chair umpire Miriam Bley reviewed the play and ruled the shot valid.

Joe Root is England's greatest: Alastair Cook praises after 34th Test hundred

Alastair Cook praised Joe Root as a 'genius' and called him England's greatest after the 33-year-old surpassed his former England captain's tally of 33 to record the most number of Test centuries for England.

Former England captain Alastair Cook praised Joe Root, calling him the nation's greatest after he scored his 34th Test century at Lord's Cricket Ground. Root surpassed Cook to record the most Test centuries for England. A twin hundred at the iconic Lord's venue took his Test aggregate to 12,377 runs. Root now needs just 96 more runs to overtake both Cook and Kumar Sangakkara. If he manages to do so in the 3rd Test at The Oval, he will

claim the 5th spot in the all-time top run-scorers in red-ball cricket. Cook, who was England's captain during Root's first 53 Tests, believes the 33-year-old is deserving of holding the record for the most Test hundreds for their country.

"He is quite simply England's greatest, and it's absolutely right that he should have this record on his own," Cook told the BBC. "Take it in, Joe. We are watching a genius. I don't think there's a batsman that I can remember watching who gives off the same sense of inevitability about scoring runs as Joe Root does. I called it when he was on about six today, that he was going to get 100. I know he's in great form, but it's just a pleasure to watch a master, a craftsman at work."

Root leads the way in Tests

Cook also believes that Root will overtake him and Sangakkara in the next Test



match."He's just got the final one to tick off next week," Cook said. "In this kind of form, there's no reason why he can't."Root now has 50 international centuries. Earlier on Day 1 of the 2nd Test match, Root equalled Cook's record with his 33rd Test hundred. However, it didn't take him long to break the record, as he scored 103 runs from 121 balls. This was also his seventh hundred at Lord's, as he swept away the record for most tons at the 'Home of Cricket.'

Cook recalls Root's teen days

Cook was in the opposition when a teenage Root made his List A debut as an 18-year-old in 2009, scoring 63 off 95 balls for Yorkshire against Essex. "He couldn't get the ball off the square," Cook recalled. "Everyone said, 'He's a good player,' but I didn't see that."Three years later, Cook was England's Test captain when Root made his international debut in the final match of the series against India, which England won 2-1. "I saw someone mentally ready to play Test cricket," Cook said. "The only question was how he would handle it when he walked out to bat for the first time."The game was in the balance, and he walked out to bat with his England cap on, looking 13, with a massive smile on his face. I watched his first few balls and thought, 'This bloke is here to stay.' I honestly said, 'He's scoring 10,000 runs.'it."

Kavitha Gowda

Looks Pretty In Pink For Her Dreamy Maternity Photoshoot



Actors Kavitha Gowda and Chandan Kumar are looking forward to welcoming their first child in October 2024. Recently, the 32-year-old actress shared an Instagram reel of her pregnancy photoshoot, where she was seen dressed in an adorable pink maxi dress. Kavitha complemented her look with a hat and a pendant. She is sitting on a carpet with flowers and water bottles lying nearby. The lush green surroundings and the lakes nearby added further allure to the clip. Kavitha attached the track Nenne Tanaka from the film Trivikrama to the Instagram reel. Sanjith Hegde has sung this melodious track. Kavitha's fans showered compliments in the comment section and lauded the actress. One of the users asked about the shoot's location, to which Kavitha's husband replied, "Vanamma Lake." Others dropped heart emoticons in the comment section. In a similar photoshoot done some time back with Chandan, Kavitha looked gorgeous draped in a yellow suit. Kavitha Gowda complemented her dress with emerald jewellery and straight tresses. Chandan hugged and lovingly hugged her baby bump. Chandan had talked about Kavitha's pregnancy in an earlier interview. He replied, "We are all ecstatic to welcome a little one into our world which will further brighten our life. I am looking forward to enjoying every bit of parenthood which will be the new phase of our lives." He added that they don't have any particular gender in their minds and just want the baby to be healthy. Chandan called it their topmost priority. Kannada television couple Chandan and Kavitha tied the knot during the lockdown on May 14 in Karnataka, 2021. Their wedding took place in a traditional manner in the presence of close friends and family members. The couple, who first met each other eight years back on the sets of the TV show Lakshmi Baramma, got engaged in a private ceremony on April 1. In Lakshmi Baramma, Chandan played the male lead; while Kavitha essayed the titular role of Lakshmi.

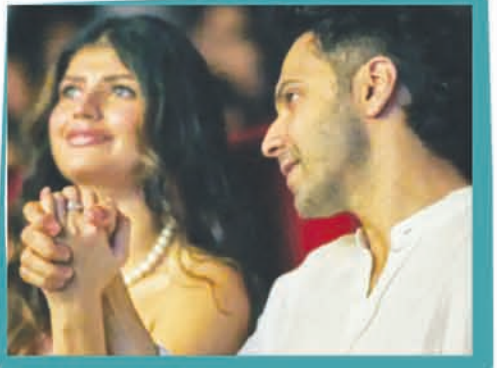


When Samantha Ruth Prabhu Called Naga Chaitanya 'Husband Material': 'How Can It Be Anybody Else?'



Naga Chaitanya's ex-wife Samantha Ruth Prabhu, had once revealed he had seen her from "nothing". During a light-hearted 2019 chat on Lakshmi Manchu's Feet Up With The Stars (Telugu), Samantha had made many big revelations. During the interview, Samantha had kind words for then-husband Naga Chaitanya. Calling him 'husband material' she had said, "Chay has seen me from nothing. I remember I didn't have money to make a call to my mother from the US. I took his phone and made a call home. Chay has seen me from that to this, so how can it be anybody else, right?" In another interview, Samantha had said how Chaitanya handles success, failure and happiness. "He's not extreme. He is very sorted and level-headed." In another, she had said, "He has been the same person since the time I met him. He hasn't changed." Samantha Ruth Prabhu and Naga Chaitanya, who got married in 2017, announced their separation in October 2021. Despite their split, they both spoke highly of each other and said that they have a lot of mutual respect given their decade-long friendship. Post-separation, rumour mills were abuzz about Naga Chaitanya's new relationship with actress Sobhita Dhulipala. Although neither Chaitanya nor Sobhita publicly commented on their relationship status, their photos together fueled speculation. However, earlier this month, Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala officially announced their engagement. The moment, captured beautifully in a series of photos, was testament to the couple's happiness and love for each other.

'Welcome To The Movies': Varun Dhawan Shares Excitement For Niece Anjini Dhawan's Debut Binny and Family



Varun Dhawan is beaming with pride as his niece, Anjini Dhawan, is all set to make her Bollywood debut in the upcoming comedy-drama Binny and Family.

He recently attended the trailer launch event at PVR Auditorium where his own first movie Student of the Year was introduced. Varun reflected on how Anjini has forged her way into the film industry and praised the new film as well as her performance. Post the launch, Varun shared several pictures with Anjini and welcomed her to the industry in his style.

Varun shared a series of happy snaps with Anjini where they could be seen dressed up for the trailer launch. Varun sported a white shirt and brown trousers, while Anjini wore a stunning pink dress. In one of the snaps from the event, Varun holds his niece's hand, showing his support. In the caption, he wrote, "Welcome to the movies."

Moreover, at the trailer launch, Varun Dhawan addressed the obvious nepotism rumours. The Student of the Year star emphasized how her niece has landed the role by herself without any help from the family. He stated, "I came to know about the film through two friends, Shashank Khaitan and Varun Gupta. They had told me that it is a good film, and I was slightly offended because I wasn't asked if I could see the film! When I saw the film, I was moved. My father never launched me. We don't have that tradition, and he doesn't believe in it. So, we have no hand in what she has done, so it will be wrong for me to take any credit for her success. She has genuinely done this by herself." Further, the actor appealed to the audience to shower love on her as they did after his first film.

The trailer for Binny and Family promises a wholesome family drama, packed with emotions, light-hearted humour, and generational conflicts. The coming-of-age drama also features another debutante Naman Tripathy along with Anjini Dhawan. The film, set to release on 20th September is directed by Ssanjay Tripathy and also stars veterans such as Pankaj Kapur, Rajesh Kumar, and Himani Shivpuri.

Shruti Haasan

Joins Rajinikanth-Starrer Coolie. Check 1st Look Poster Here



Looks like the makers of Rajinikanth-starrer Coolie are leaving no stones unturned to increase the hype for their film. Recently, the film's director Lokesh Kanagaraj has been busy making back-to-back announcements about the film's star cast and this has led to fans going into a frenzy. Now, on Friday, Lokesh Kanagaraj shared an official character poster of Preethi. Can you guess who the actress is? Shruti Haasan is all set to join the stellar star cast of Coolie. Lokesh Kanagaraj shared a poster of the character Preethi, which will be portrayed by the actress. The poster featured her in a serious expression and a shovel in her hands. Shruti Haasan wore a simple suit and kept her hair half-tied with a middle parting and a bindi on her forehead. Lokesh Kanagaraj dropped the photo on the social media platform X and wrote, "Kicked to have Shruti Haasan joining the cast of Coolie as Preethi. Welcome on board."

Shruti Haasan was "stoked" to be joining the team as this is her first collaboration with the superstar of the industry. She commented, "Thank you, Lokesh! Super stoked to be a part of this." Fans too showered her with love and showed excitement regarding her joining the film. Coolie might be a big-budget film as many prominent faces will be seen. Apart from Rajinikanth and Shruti Haasan, the film will also star Nagarjuna, Sathyaraj, Soubin Shahir and Mahendran among others. On the occasion of actor Nagarjuna's 69th birthday, the director dropped a poster of his character, Simon. The caption read, "Kicked to have King Nagarjuna Sir joining the cast of Coolie as Simon. Welcome on board and wishing you a very happy birthday Sir." here have been reports that Bollywood actor Aamir Khan may also be joining the film for a cameo role. There have been no official confirmations regarding the same. The release date of the film has been kept under wraps and the shooting began in July this year. There were speculations that Coolie would also be a part of Lokesh Cinematic Universe (LCU) like Kaithi, Vikram and Leo. Lokesh Kanagaraj revealed that it is a stand-alone film.

